विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 19 से 25 मार्च 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 44 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

आदर्श परिवार में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है. बहू अगर लक्ष्मी है और समझदार है तो दो परिवारों में आपसी प्रेम के साथ ही दोनों ही परिवार के माता-पिता खुश रहेंगे. जहां माता-पिता खुश रहते हैं, असली खुशी उसी घर में होती है. बेटियों को बचपन से संस्कार देने की जिम्मेदारी मां की रहती है. बेटी आदर्श संस्कारित रहने पर दोनों ही परिवारों को संभालने में सफल होती है. वर्ना वर्तमान में हालत खराब है.

आश्वासन समिति प्रमुख के रूप में विधायक रवि राणा ने रचा इतिहास

विदर्भ स्वाभिमान, 18 मार्च

अमरावती- लोकप्रियता के साथ ही कर्मठता में भी सदा अग्रणी रहने वाले युवा स्वाभिमान पार्टी के प्रमुख विधायक रवि राणा ने काम का भी नया रिकार्ड बनाया है. उन्होंने विधानसभा की आश्वासन समिति के अध्यक्ष के रूप में भी सबसे बेहतरीन काम करने का नया इतिहास दर्ज किया है. उनकी कार्यप्रणाली की सराहना स्वयं विधानसभाध्यक्ष ने भी की है. इससे अमरावती और बडनेरा का नाम राज्यस्तर पर चमका है.उनके कार्यकाल के दौरान अभी तक लगभग 600 के करीब आश्वासनों की पूर्ति सुनिश्चित की गई. उन्हों ने इन सभी आश्वासनों की पूर्ति संबंधित विभागों से करवाने में सफलता प्राप्त की. विकास का विजन रखने वाले विधायक के रूप में वे राज्य में पहचाने जाते हैं.

विधानसभा की आश्वासन समिति के प्रमुख विधायक रवि राणा ने अपने कार्यकाल में रिकॉर्ड स्तर पर लंबित आश्वासनों का निपटारा करते हुए नई मिसाल कायम की है. समिति प्रमुख बनने के बाद से उन्होंने मंत्रियों द्वारा दिए गए 591 आश्वासनों की पूर्ति सुनिश्चित कर संबंधित रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.बताया गया कि समिति के माध्यम से विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाते हुए शासन स्तर पर समाधान कराया गया, जिससे जनहित के कई मामलों को न्याय मिल सका. इस उल्लेखनीय कार्य के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने समिति प्रमख रवि राणा का सार्वजनिक रूप से अभिनंदन किया. आश्वासन समिति की इस सक्रियता को विधानसभा की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

श्रीराम नवमी तथा हनुमान जन्मोत्सव को लेकर उत्साह

विदर्भ स्वाभिमान, 18 मार्च

अमरावती-शहर के साथ ही जिले में भी गुरूवार 19 को गुड़ी पाड़वा तथा आने वाले श्रीराम नवमी उत्सव तथा हनुमान जन्मोत्सव को लेकर अपार उत्साह व्याप्त है. गुड़ी पाड़वा को लेकर जिले में सर्वत्र विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वहीं श्रीराम नवमी तथा हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियां रविनगर के संकटमोचन हनुमान मंदिर, वल्लभ नगर केहनुमान मंदिर, भक्तिधाम मंदिर बडनेरा रोड के साथ ही दर्जनों मंदिरों में की जा रही है.

भक्तों के मुताबिक इस दौरान अपार खुशी वाली स्थिति है. मंदिरों में इसके भव्य आयोजन की तैयारी की जा रही है. चांदूर रेलवे के श्री विठोबा संस्थान उर्फ श्रीकृष्ण अवधूत बुवा संस्थान में गुड़ी पाड़वा तथा श्रीराम नवमी उत्सव में राज्य भर से लाखों की संख्या में भक्त सहभागी होते हैं.

अगले शैक्षिक सत्र से हव्याप्र मंडल में शुरू होगा खेल विद्यापीठ

अमरावती-खेल क्षेत्र में अमरावती का नाम समूचे विश्व में चमकाने वाले श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल में अगले शैक्षिक सत्र से खेल विद्यापीठ शुरू होने वाला है. इस बारे में सांसद डॉ. अनिल बोंडे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से मुलाकात की. इस मामले में शीघ्र ही बेहतरीन परिणाम दिखाई देंगे. दो साल से मंजूरी के बाद भी क्रीडा विद्यापीठ में बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई थी.

मंडल के संचालक डॉ. श्रीकांत चेंडके ने बताया कि इस बारे में सभी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. केवल विद्यापीठ अनुदान आयोग तथा सरकार की अनुमति का इंतजार है. उनके मुताबिक शीघ्र ही क्रीडा विद्यापीठ के सार्थक परिणाम दिखाई देने लगेंगे. क्रीडा विद्यापीठ अमरावती का नाम विश्वभर में चमकाएगा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

पुराना ही सोना मानकर जरूरतें कम करें,सुख बढ़ेगा

कहते हैं सुविधा तथा साधनों ने बीमारियों को आमंत्रित किया है. आज व्यक्ति गर्मी में कुछ देर बैठ नहीं सकता है. शरीर का पसीना नहीं गिरने के कारण शरीर बीमारियों का घर बन रहा है. ऐसे में बीमारियों ने हमारी खुशियों को काल साबित किया है. गैस किल्लत को लेकर देशभर में जिस तरह से कोहराम मचा हुआ है, उसको लेकर फिर से चुल्हा चौका वाली निश्चिंतता वाली जिंदगी याद आ रही है. वैसे भी जीवन में असली आनंद गांवों में ही है. आज भी गांवों की दिनचर्या जिस तरह से होती है, उसके चलते उम्र बढ़ने के साथ ही कई लोगों के लिए दिक्कत होती है.

समय का चक्र व्यक्ति को जमीन पर लाकर खड़ा ही करता है. अमेरिका.ईरान के बीच जारी युद्ध का असर पड़ रहा है. घरेलू सिलेंडर की किल्लत के बाद कई सवाल पैदा हुए हैं. आधुनिकता के नाम पर तमाम सोंग करने केबाद भी प्राकृतिक मौसम का महत्व निश्चित तौर पर आदमी को बीमार कर रहा है और लोग पुरानी बातों को फिर आजमाने का प्रयास कर रहे हैं. महात्मा गांधी का प्रसिद्ध संदेश गांव की ओर चलो आज की परिस्थितियों में फिर से उतना ही प्रासंगिक दिखाई दे रहा है. गैस संकट और वैश्विक तनाव जैसी परिस्थितियों ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि शहरों की सुविधाओं के बावजूद जीवन की स्थिरता और आत्मनिर्भरता आज भी गांवों में अधिक दिखाई देती है.

हालांकि दो साल के कोरोना काल में भी इसका उदाहरण देखने को मिला था, जब बड़ी संख्या में लोग शहरों से गांवों की ओर लौटे थे. वास्तव में गांधीजी का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और स्वावलंबी गांवों से ही देश का वास्तविक विकास संभव है. आज भी ग्रामीण समाज में एकता, आपसी सहयोग और अपनापन दिखाई देता है. गांव में किसी एक घर में गैस खत्म हो जाए तो आसपास के कई घर मदद के लिए आगे आते हैं, जबकि शहरों में ऐसी भावना कम ही देखने को मिलती है.

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार खेती और छोटे उद्योग होते हैं, जो गांवों को आत्मनिर्भर बनाते हैं. पहले गांवों में गोबर गैस जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत भी उपयोग में लाए जाते थे और ईंधन के रूप में लकड़ी या सरपण आसानी से उपलब्ध था, इसलिए रसोई के लिए गैस पर पूरी तरह निर्भरता नहीं थी. आज गैस की कमी के समय यह व्यवस्था फिर से उपयोगी साबित होती दिखाई देती है. इसके अलावा गांवों का वातावरण प्रदूषणमुक्त, शांत और प्राकृतिक होता है, जो शहरों की भागदौड़ भरी जिंदगी से अलग है. संस्कार, परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को समझने के लिए भी गांव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.शिक्षा के क्षेत्र में भी ग्रामीण भारत की भूमिका उल्लेखनीय रही है. आज केंद्र और राज्य सरकारों में उच्च पदों पर कार्यरत कई अधिकारी ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जिला परिषद स्कूलों से प्राप्त की है. इसके विपरीत, आज बड़े.बड़े निजी स्कूलों और सीबीएसई पैटर्न की शिक्षा में भारी फीस ली जाती है, लेकिन कई बार वास्तविक शिक्षा के लिए छात्रों को अलग से ट्यूशन का सहारा लेना पड़ता है. आधुनिकता तथा सुविधाओं ने हमारे सुख-चैन को दूर कर दिया है. गैस की किल्लत के बाद कई होटल वालों द्वारा चूल्हा अपनाने पर निश्चित ही यह बात साबित होती है कि जुनं ते सोन. पुरानी बातों को अलग नाम तथा रूप से अपनाने के लिए मानव विवश हो रहा है.

मराठी नववर्ष हो सभी के लिए मंगलमय

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

मराठी नववर्ष गुड़ी पाडवा पर सभी देशवासियों को हार्दिक मंगलमय शुभकामनाएं. भारतीय संस्कृति में अपार उत्साह के हर दिन कई कारण रहते हैं. इनके माध्यम से खुशियां प्राप्त करने का मौका मिलता है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार प्रभु चरणों में कामना करता है कि यह नया साल सभी के जीवन में नई उम्मीदें और सफलता की किरण लाकर सभी को सुख,समृद्धि और प्रगति प्रदान करे. गुड़ी पड़वा का पर्व चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है. इसे वर्ष प्रतिपदा या उगादि भी कहा जाता है. ऐसा माना जाता है कि गुड़ी पड़वा यानि वर्ष प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्मा जी ने संसार का निर्माण किया था. इसलिए इस दिन को नव संवत्सर यानि नए साल के रूप में मनाया जाता है.

गुड़ी पड़वा को हिन्दू नववर्ष की शुरुआत माना जाता है, यही कारण है कि हिन्दू धर्म के सभी लोग इसे अलग-अलग तरह से पर्व के रूप में मनाते हैं. सामान्य तौर पर इस दिन हिन्दू परिवारों में गुड़ी का पूजन कर इसे घर के द्वार पर लगाया जाता है और घर के दरवाजों पर आम के पत्तों से बना बंदनवार सजाया जाता है. ऐसा माना जाता है कि यह बंदनवार घर में सुख, समृद्धि और खुशियां लाता है. गुड़ी पाड़वा के दिन खास तौर से हिन्दू परिवारों में पूरनपोली नामक मीठा व्यंजन बनाने की परंपरा है, जिसे घी और शक्कर के साथ खाया जाता है. वहीं मराठी परिवारों में इस दिन खास तौर से श्रीखंड बनाया जाता है, और अन्य व्यंजनों व पूरी के साथ परोसा जाता है. देश में यह पर्व अलग-अलग तरीकों से अलग-अलग हिस्सों में मनाया जाता है. इसको लेकर अपार उत्साह के साथ ही कई लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर दान पुण्य भी किया जाता है. महाराष्ट्र में घरों पर समृद्धि की प्रतीक गुढ़ी बांधी जाती है. बच्चों तथा महिलाओं में सुबह से ही नववर्ष के स्वागत का जोश दिखाई देता है. आंध्रप्रदेश में इस दिन प्रत्येक घर में पच्चड़ी प्रसाद बनाकर वितरित किया जाता है. गुड़ी पड़वा के दिन नीम की पत्तियां खाने का भी विधान है. इस दिन सुबह जल्दी उठकर नीम की कोपलें खाकर गुड़ खाया जाता है. इसे कड़वाहट को मिठास में बदलने का प्रतीक माना जाता है. यह पर्व कड़वाहट को मिठास में बदलने का शानदार मौका होता है.

हिन्दू पंचांग का आरंभ भी गुड़ी पड़वा से ही होता है. कहा जाता है के महान गणितज्ञ- भास्कराचार्य द्वारा इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, मास और वर्ष की गणना कर पंचांग की रचना की गई थी.

गुड़ी पड़वा शब्द में गुड़ी का अर्थ होता है विजय पताका और पड़वा प्रतिपदा को कहा जाता है. गुड़ी पड़वा को लेकर यह मान्यता है कि इस दिन भगवान राम ने दक्षिण के लोगों को बाली के अत्याचार और शासन से मुक्त किया था, जिसकी खुशी के रूप में हर घर में गुड़ी अर्थात विजय पताका फहराई गई. आज भी यह परंपरा महाराष्ट्र और कुछ अन्य स्थानों पर प्रचलित है, जहां हर घर में गुड़ी पड़वा के दिन गुड़ी फहराई जाती है.घरों पर समृद्धि के प्रतीक के रूप में गुड़ी पाडवा पर्व को मनाया जाता है. इस उपलक्ष्य में बाजार में भी अपार उत्साह रहता है और लोगों द्वारा इस दौरान घर में नई गाड़ी, सोना-चांदी के साथ ही नई वस्तुओं की खरीदी भी की जाती है. कुल मिलाकर भारतीय संस्कृति तथा पर्वों में प्रिय पर्व के रूप में इसका सभी स्वागत करते हैं.

श्रीमद् भागवत कथा क़ो लेकर अपार ख़ुशी

पं.अवधनारायण शक्ला सुनाएंगे कथा, 14 मई को निकलेगी कलश यात्रा

विदर्भ स्वाभिमान,18 मार्च

पट्टी/धौरहरा- पवित्र जगन्नाथ यात्रा पूरा करने के उपलक्ष्य में दलापांडे के धौरहरा निवासी दुबे परिवार द्वारा आगामी मई महीने में गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा को लेकर समस्त ग्रामवासियों में उत्साह व्याप्त है. दुबे परिवार के अलावा ग्रामवासी भी इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दे रहे हैं. कथा के दौरान विभिन्न सामाजिक उपक्रमों का भी आयोजन किया गया है.

गांव ही नहीं तो तहसील पट्टी तथा जिले में सुसंस्कारी तथा संयुक्त परिवार के आदर्श परिवार के रूप में दुबे परिवार को पहचाना जाता है. विभिन्न क्षेत्रों में स्थान बनाने वाले शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे परिवार द्वारा गांववासियों को श्रद्धा तथा भक्तिभाव का मौका उपलब्ध कराया जा रहा है. दलापांडे का धौरहराके दुबान में आगामी

14 मई से 21 मई तक श्रीमद् भागवत कथा होगी. इसमें सुख्यात विद्वान अवधनारायण शक्ला उर्फ वियोगी महाराज भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे. कथा की शुरुवात 14 मई को महिलाओं की कलश यात्रा से होगा.धौरहरा में दुबान नामक क्षेत्र के रूप में सुख्यात क्षेत्र में धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 मई से श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह सात दिवसीय कथा कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः से सायंकाल तक श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कथा वाचक पं.अवधनारायण शुक्ला द्वारा श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा.

गांव ही नहीं तो आसपास के विभिन्न गांवों के भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह धौरहरा के साथ ही विभिन्न शहरों में रहने वाले दुबे परिवार ने किया है. सफलतार्थ श्रीमती शिवपतीदेवी दुबे,शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, जगदीश दुबे, सुभाष दुबे, राजेश दुबे, सुनील दुबे, सर्वेश दुबे, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी दुबे परिवार के सदस्यों द्वारा प्रयास किया जा रहा है.सप्ताह भर तक गांव में श्रीमद् भागवत की कथा से पूरा क्षेत्र ही श्रीकृष्णमय होने वाला है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

विदर्भ में तपिश से राहत, बारिश की संभावना

मौसम में उतार-चढ़ाव कर रहा है लोगों को बीमार, अस्पतालों में बढ़े मरीज

विदर्भ स्वाभिमान, 18 मार्च

अमरावती- मौसम की आंखमिचौली का खेल लगातार जारी है. कभी गर्मी तो कभी बादल वाले नजारे के कारण स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है. आगामी दो-तीन दिन विदर्भ में अमरावती सहित कुछ जिलों में बारिश की संभावना जताई जा रही है. तापमान में दो से ढाई डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की जा रही है. इसका स्वास्थ्य पर असर पड़कर सर्दी-खांसी तथा बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है. थकान के कारण काम में उत्साह की कमी दिखाई दे रही है.

विदर्भ में तेज आग उगल रहे सूरज की गर्मी ने तापमान में भारी उछाल ला दिया था लेकिन मंगलवार को शाम में अचानक बादल आने से ठंड का एहसास सभी ने किया. मौसम फिर एक बार करवट बदलने जा रहा है. स्थानीय मौसम तज्ञ प्रो. अनिल बंड के अनुसार जिले व विदर्भ में बुधवार 18 से 20 मार्च के बीच कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना है. मंगलवार की शाम अचानक मौसम में बदलाव होकर बादल छाने से गर्मी से थोड़ी राहत मिली.अमरावती सहित विदर्भ के तापमान में मंगलवार को दो से ढाई डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई. अमरावती का मंगलवार का अधिकतम तापमान 39.4 तथा न्यूनतम 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से विदर्भ में तापमान थोड़ा कम रह सकता है. तीन दिनों में पश्चिम विदर्भ में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है. पूर्व विदर्भ और यवतमाल जिले में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं बह सकती हैं. 18, 19 और 20 मार्च को अमरावती, यवतमाल सहित विदर्भ के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की आशंका जताई गई है.

मराठी नववर्ष सभी के जीवन में खुशियां लाए, समृद्धि बढ़े

विदर्भ स्वाभिमान, 18 मार्च

अमरावती- महानगर पालिका के महापौर श्रीचंद तेजवानी, उपमहापौर तथा सामाजिक कामों के माध्यम से राजनीति में प्रवेश कर उपमहापौर बने सचिन भेंडे के साथ ही शहर की शान और राष्ट्रीय स्तर के समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया,युवा नगर सेवक दीपक साहू सम्राट ने मराठी नववर्ष गुड़ी पाड़वा की शहरवासियों के साथ ही देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं. उनके मुताबिक यह वर्ष सभी का जीवन खुशियों से लबालब करने वाला हो और सभी कीसमृद्धि और प्रगति तेजी से होकर सभी का जीवन खुशियों से भरा रहे. उन्होंने नववर्ष पर सभी से बेहतरीन संकल्प लेने तथा शहर के साथ ही समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए सदा तत्पर रहने का आग्रह किया.

सामाजिक कामों के माध्यम से अमरावती का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने वाले

तथा अभी तक अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित समाजसेवी तथा भारत स्वाभिमान के वरिष्ठ पदाधिकारी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने भी मराठी नवर्ष पर शहरवासियों को शुभकामनाएं दी है. साथ ही सभी का जीवन खुशियों से परिपूर्ण रहने की कामना की है.आपके घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास हों,हर दिन सफलता की नई किरण लेकर आए. युवा स्वाभिमान नगर सेवक तथा समाजसेवी दीपक साहू सम्राट ने भी शहरवासियों तथा प्रभाग वासियों को मराठी नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सभी का जीवन खुशियों से निहाल होने का आग्रह किया. पर्व को लेकर अपार उत्साह है.

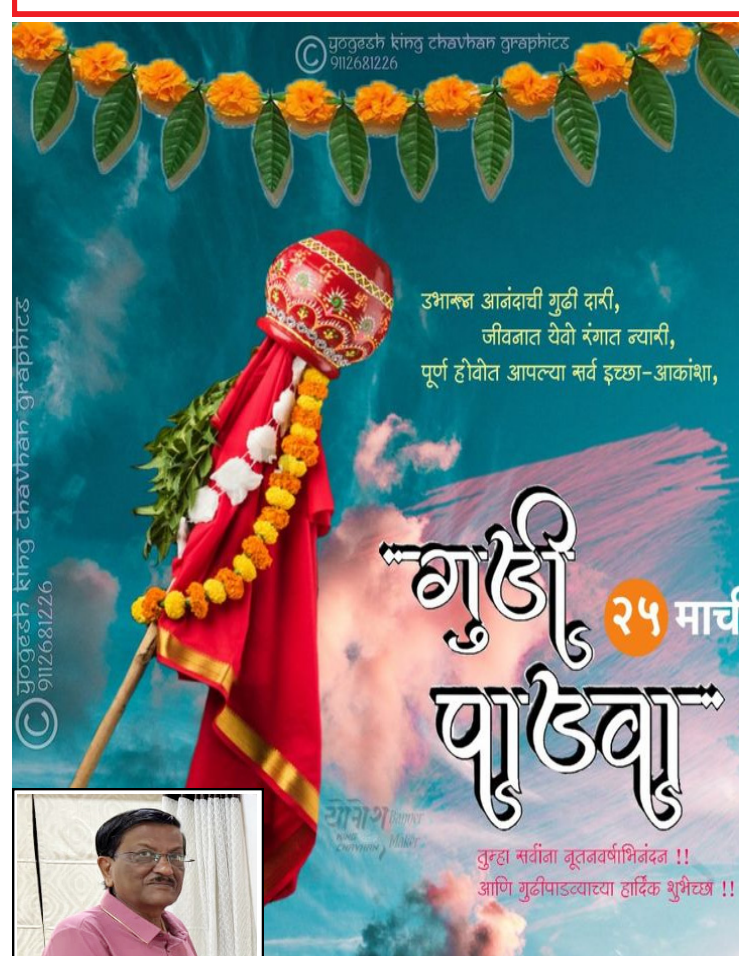

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

घायल श्रीहरी से मां पूछ रही हैं उपचार का तरीका

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

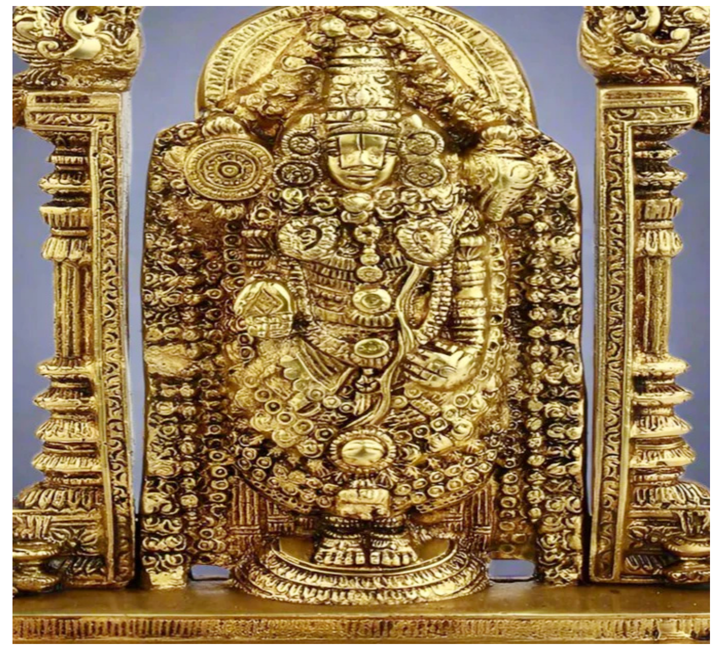

गतांक से जारी- मेरे भाग्य में जो लिखा हुआ है, उससे अलग कुछ नहीं होगा. तुम्हारे साथ परिणय करने के बाद में कहीं भी चला जाऊँ मेरे लिए कुशल ही होगा. हे मानिनी ! इसलिए तुझे अपने गले में लिए बिना नहीं छोड़ने की बात हरी ने कही.

पद्मावती के द्वारा हरि पर पथराव कराना-कहते पद्मावती के समीप पहुँचनेवाले श्रीनिवास को देखकर पद्मावती को बड़ा गुस्सा आया. अपनी आंखें लाल करके, श्रीहरि का धिक्कार करते हुए, सखियों की तरफ मुड़कर 'इस निषाद पर पथराव करो' पद्मावती ने आज्ञा दी. तब पद्मावती की सखियाँ शीघ्र ही घोड़े पर सवार श्रीनिवास पर बड़ी मात्रा में पथराव करने लगीं. श्रीनिवास ने पथराव से अपने को बचाने की कोशिश की. पत्थर घोड़े पर लगे. घोड़ा घायल होकर नीचे गिर गया. तब श्रीनिवास घोड़े को छोड़कर आश्चर्यचकित होकर अति वेग से आनेवाले पत्थरों से अपने को बचाते हुए, सर के बाल खुलने से चारों दिशाओं में बचने के लिए भागने लगे. उत्तराभिमुख होकर वेंकटाद्रि पर चढ़ गए. अपने निवास स्थान वल्मीक में प्रवेश किया. फिर बकुला मालिका द्वारा बनायी गयी अपनी फूलों की शय्या पर ऐसा सो गए, मानो प्रलय काल में महाजल में वटपत्र पर सोने वाले परम पुरुष श्री हरि सो गए हों. तब इधर वन के मध्य में रहनेवाली पद्मावती ने अपनी सखियों को देखकर इस रूप में कहा. 'हे सखियाँ ! अपनी माँ की बातों को अनसुना करके मैं इस वन में आयी हूँ. यहाँ पर कष्टों का अनुभव किया. आगे इस पुष्प वन में नहीं आऊँगी. अब बस है. शबर की बातों को आप मेरी माँ को मत बताइए. बताने से हमारे लिए वह लज्जा की बात होगी.' कहते पद्मावती पालकी पर चढ़कर सखियों के साथ फूल और फलों को लेकर शीघ्र ही अपने महल पहुँच गयी. वहाँ महल में फूल और फलों को अपनी माँ को सौंपकर अपनी जूही की शय्या पर लेट गयी. इस रूप में हरि के व्यवहार के चारे में सुनकर शौनकादि मुनियों ने 'तदुपरांत हरि ने कौन से प्रयत्न किए' पुत्र से पूछा. तब सूत ने बताया. 'हे मुनिवर्य ! अब आपको कर्णपर्व के सा में बताऊँगा, उसके बारे में सुनिए. वह परात्पर परमात्मा विष्णु मनुष्य के रूप में कामुक बनकर मोह से विरह ताप में जलते हुए तनावग्रस्त होकर शय्या पर चादर ओढ़ कर लेट कर चिंता मग्न हो गए.

विरहतप्त श्रीहरि का वकुला माता के द्वारा परमार्श करना-लंबी सांस लेते और सांस छोड़ते शय्या पर लेटकर इधर-उ करवट बदलते सोने की कोशिश करनेवाले श्रीनिवास के पास आकर उनकी अवस्था को देखकर दयालु बकुला मालिका ने इस रूप में का 'हे पुत्र! वेंकट! उठो! भोजन करने में देर हो रही है. तुम्हारे लिए अन्न परमान्न, भक्ष्य आदि बनाकर तुम्हें खिलाने के लिए में लायी हूँ. पेट क खा लो.' कहने से बोले बिना आँखों से आँसू बहानेवाले स्वामी को देखने हुए व्याकुल होकर वकुला मालिका ने इस रूप में कहा. 'हे मेरे पुत्र इस रूप में आर्ती बनकर आंखों से आँसू क्यों निकाल रहे हो? इस सा में रोने का हेतु क्या है? दिन में नहीं सोना चाहिए, ऐसी रीति को जान हुए भी इस समय क्यों सो रहे हो? विपुल धैर्य, स्थैर्य रखनेवाले तमड्ग रूप में दीन क्यों बने हो? उठो. बैठकर मुझे सब कुछ बताओ. तुम्हारे चिंता का क्या कारण है?' वकुला मालिका का इस रूप में समझान बुझाने से श्रीहरि कुछ बोले बिना लंबी सांसें छोड़ने लगे. इस रूप में उत्तर नहीं देनेवाले पुत्र की ओर देखकर डरकर वकुला मालिका ने इसका में कहा-आखेट खेलने जंगल जाकर वहाँ पर क्रूर मृगों को देख क्या डर गए हो? कहीं भूत, पिशाच तो नहीं लगे? या पत्थरों पर फिसल कर घायल हो गए हो? नालों में गिरकर उठकर आए हो.हे पुत्र ! सच सच शीघ्र बताओ. मैं चिकिन्त्या करेंगी. अगर नीचे गिर कर घायल हो गए तो तेल लगाकर मालिश करूँगी तो ठीक हो जाओगे. पत्थर पर फिसल कर नीचे गिर गए हो तो गरम पानी घाव पर डालना है. अगर कोई भूत लग गया तो भूत वैद्य को बुलाकर मंत्र करवाना है. अगर मृग भीति मन में बैठ गयी है तो पीठ पर थप-यय मारना है. इन चार चिकित्साओं में कौन-सी चिकित्सा मैं करूँ? तुम अगर सच-सच नही बताओगे तो मुझे कैसे मालूम पड़ेगा? हे पुत्र! मेरे मन से चिंता को दूर करने के लिए सच-सच बताओ.' कहते नीचे से ऊपर तक श्रीनिवास के शरीर को सहलाते हुए पसीने से लथपथ शरीर पर पत्थरों से बनी चोटों को पहचान कर महा भीति से वकुला ने कहा. ज़य गोविंदा, जय गोविंदा,जय गोविंदा.

शेष अगले अंक में

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूजपेपर्स (सेंट्रल रूल्स 1956 के अंतर्गत) विदर्भ स्वाभिमान पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विषयक जानकारी

घोषणा

1) प्रकाशन स्थल	- छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती ता. अमरावती जिला-अमरावती (महाराष्ट्र)
2) प्रकाशन क्रम	- साप्ताहिक
3) मुद्रक	- संदीप बागडे, एस.बी. प्रिंटर्स, दत्त पैलेस, गांधी चौक, अमरावती-444605
4) प्रकाशक	- सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे
निवासस्थान	- श्रीहरी,छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती.
5) सम्पादक	- सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे
नागरिकता	- भारतीय
निवासस्थान	- छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.444605
6) पत्र के स्वामित्व और भागीदार या एक प्रतिशत से अधिक पूंजीवाले हिस्सेदार	- सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे
नागरिकता	- भारतीय

मैं सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है.

दिनांक- 19-03-2026

हस्ताक्षर

सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

प्लंबर की है वार्षिक 18 लाख रूपए की कमाई

नई दिल्ली- मुंबई की हाउसिंग सोसाइटी के एक प्लंबर की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है. इसी सोसायटी के एक शख्स ने बताया कि वह मीरा रोड, बोरीवली और कांदिवली की टाउनशिप में काम करके सालाना 18 लाख रूपये कमा रहा है.

इतना ही नहीं 'मुंबई में एक प्लंबर 18 लाख रूपये सालाना कमा रहा है' शीर्षक वाली एक सोशल मीडिया पोस्ट में यूजर ने विस्तार से बताया कि कैसे वह प्लंबर न सिर्फ अच्छी कमाई कर रहा बल्कि उसने एक महंगी कार भी खरीदी, एक घर बनाया और खेती की जमीन भी खरीदी.एक यूजर ने रेडिट पर एक पोस्ट में लिखा, 'यह बात सुनने में जितनी चौंकाने वाली हो सकती है, उतनी ही है. आज मैं अपने टाउनशिप में अपनी सोसाइटी के एक प्लंबर से बात कर रहा था. वह एक पाइप ठीक करने का काम कर रहा था. हमने कई चीजों के बारे में बात की और फिर उसने अपने काम के बारे में बताना शुरू कर दिया. अपनी कमाई के बारे में पूछे जाने पर प्लंबर ने बताया कि इन कॉन्ट्रैक्ट्स से उसकी कुल सालाना आय 18 लाख रूपये तक पहुंच गई. यूजर ने कहा, 'मैंने उनसे आम तौर पर पूछा कि वे साल भर में कितना कमा लेते हैं. उस व्यक्ति ने बताया कि जिन-जिन टाउनशिप में वह काम करता है, उन सभी से होने वाली आय को मिलाकर वह लगभग 18 लाख क़माता

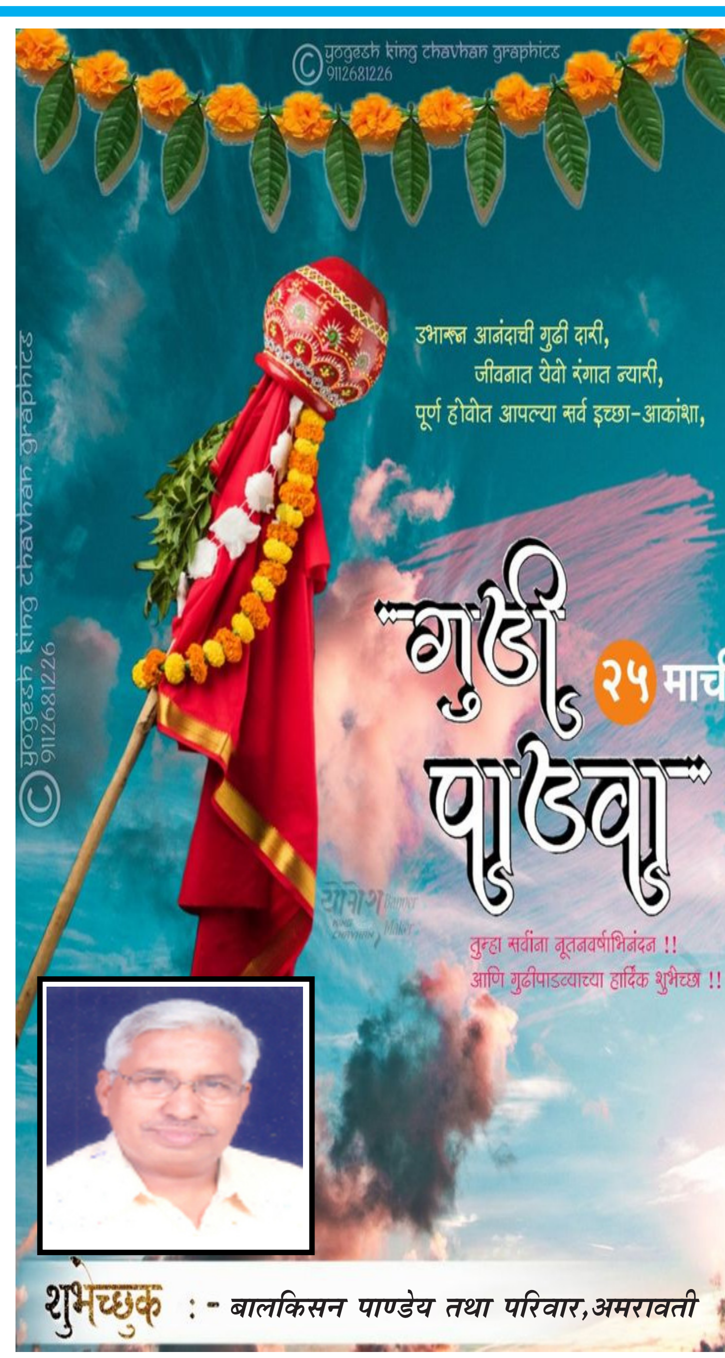

सेवा,समर्पण,लगन वाले अधिकारी

अभिनंदन बैंक सीईओ शिवाजी देठे के जन्मदिन पर विशेष, बेहतरीन टीम लीडर

शहर ही नहीं तो सहकार बैंकों में अग्रणी अभिनंदन अर्बन बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे जितने बेहतरीन अधिकारी हैं, उतने ही बेहतरीन इंसान है. बेहतरीन टीम लीडर के रूप में जहां बैंक का नेतृत्व करते हैं, वहीं पारदर्शिता और कर्मठता के साथ भक्तिभाव के संगम हैं.

वे बेहतरीन मार्गदर्शक के रूप में पर्दे के पीछे के नायक के रूप में शिवाजी देठे की भूमिका सराहनीय होती है. उनके 13 मार्च को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. समाज में बदलाव लाने के लिए जिस नेतृत्व की आवश्यकता होती है, वह युवा शक्ति से ही संभव है. ऐसे ही प्रेरणादायी व्यक्तित्व भी शिवाजी देठे हैं. अपने कर्म, व्यवहार और समाजसेवा की भावना के कारण उन्होंने लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया है. समाज के दबे कुचले लोगों की मदद के लिए सदा तत्पर रहने के साथ ही सम्पन्नता में भी विनम्रता के कारण लाखों मित्र परिवार बनाया है.

सीईओ देठे का व्यक्तित्व सरल, सौम्य और मिलनसार है. वे हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता देते हैं और समाज के हर वर्ग के लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं. एक सच्चे अधिकारी के रूप में अधीनस्थों की तरह वे लोगों की समस्याओं को सुनते ही नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास भी करते हैं. यही कारण है कि बैंक कामयाबी के शिखर पर पहुंच रही है. अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग, सभी संचालकों के कुशल नेतृत्व में बैंक ने अभी तक अनगिनत राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर के पुरस्कार प्राप्त किया है. मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में मिलनसार स्वभाव उनकी खूबी है. ग्राहकों का प्रेम ही उन्हें उर्जा देता है. अनगिनत पुरस्कारों से जहां वे अभी तक सम्मानित हो चुके हैं.

उनका मानना है कि सहकारिता क्षेत्र में अपार संभावनाएं होती हैं. सहकारी बैंकें देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ हजारों लोगों को रोजगार भी दे रही हैं. अभिनंदन बैंक की दस से अधिक शाखाओं में 100 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं दे रहे हैं. अभिनंदन बैंक आज राष्ट्रीय बैंकों की तर्ज पर अपने ग्राहकों वह सभी सेवाएं देती है, समय के साथ चलने का प्रयास करती है. ग्राहकों का अपार प्रेम भी बैंक को मिला है. टीम लीडर के रूप में उन्होंने अपने कार्य की झलक छोड़ी है. जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं. वह सदा स्वस्थ रहें, मस्त रहें, भगवान गोविंदा के चरणों में यही कामना.अंत में

संघर्ष की राहों पर जो चलते जाते हैं,
वही इतिहास में अपना नाम लिखाते हैं।
ऐसे कर्मठ युवा नेता को जन्मदिन पर प्रणाम,आपका भविष्य हो उज्ज्वल, बढ़े देश और समाज का मान।

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

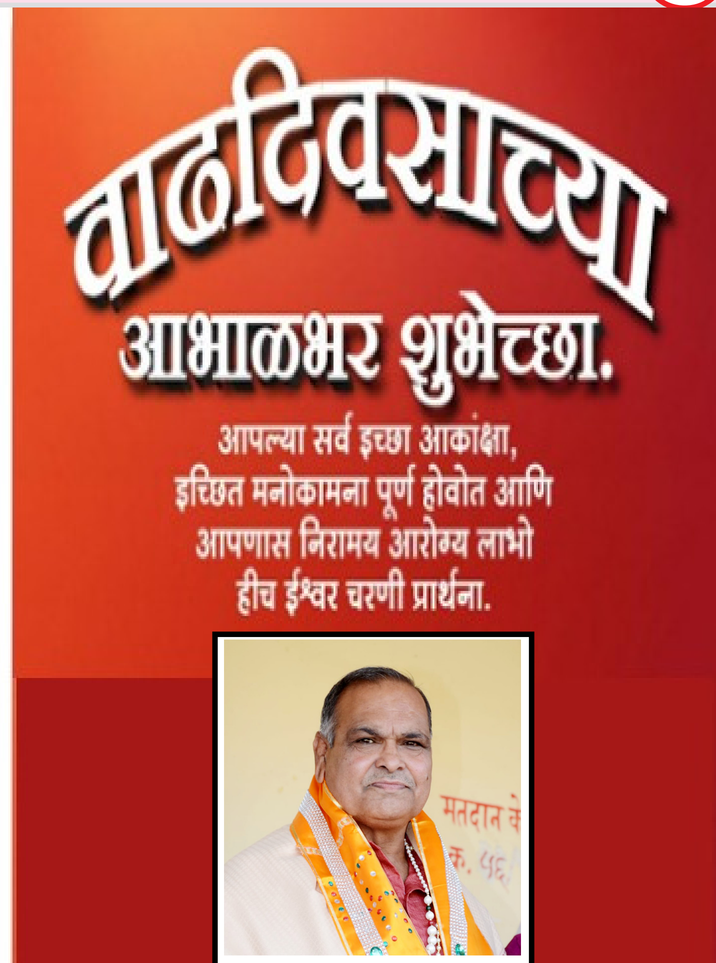

अभिनंदन पेंढारी मित्र मंडल के प्रमुख,समाजसेवी तथा जीवदया के साथ गौमाता की सेवा में सदा समर्पित रहने हजारों के चहेते

अभिनंदन पेंढारी

जन्मदिन पर शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अभिनंदन पेंढारी मित्र मंडल, असंख्य मित्र परिवार,अमरावती.

अभिनंदन बैंक के सीईओ **शिवाजी देठे** सर को
जन्मदिन पर हम सभी की ओर से
मंगलमय हार्दिक **शुभकामनाएं**

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अभिनंदन बैंक के सभी अधिकारी,कर्मचारी तथा मित्र परिवार.

शुभेच्छुक

सौ.सुनंदाताई खरड, विनोदराव खरड, वैभव खरड, सौ. खरड तथा समस्त खरड परिवार, टेलीकाम कॉलोनी, अमरावती.

शुभेच्छुक

योगेश विजयकर परिवार.अमरावती

सेवा,समर्पण के साथ साथ ज़ीवदया सेवी हैं अभिनंदन पेंढारी

शहर ही नहीं तो सेवाभाव तथा जीवदया के साथ ही कांग्रेस के निष्ठावान पदाधिकारी अभिनंदन पेंढारी को खुशियां बांटने वाला, अमरावती शहर में गौमाता की सेवा में सदा अग्रणी रहने वाले व्यक्ति के रूप में कहा जा सकता है. वे सेवाभाव से जितने ओतप्रोत हैं, उतने ही यारों के दिलदार यार के रूप में भी जाने जाते हैं. उनके जन्मदिन पर सुबह से लेकर रात्रि तक जिस प्रकार हजारों लोगों ने शुभकामनाएं दी, उससे उनकी लोकप्रियता का पता चलता है. जन्मदिन पर मंगलवार को उन्होंने गौशाला में गौमाता की सेवाएं दी, इस मौके पर मित्र परिवार द्वारा उनका सत्कार किया गया. बड़ी संख्या में चहेते उपस्थित थे. बोलने में कम और समाजसेवा करने में वे जहां विश्वास रखते हैं, वहीं उनकी सादगी, उनका प्रेम तथा समाज के सभी वर्गो को लेकर चलने वाला नेतृत्व गुण सराहनीय है.

सेवा,समर्पण, लगन,मेहनत के साथ ही संयुक्त परिवार को सबसे बड़ी ताकत मानने वाले जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही अच्छे सज्जन व्यक्ति हैं. स्वभाव से शांत लेकिन जीवन में अनुशासन को महत्व देते हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी. मानव सेवा को वे प्रभु की सेवा मानते हैं. अमरावती ही नहीं बल्कि समूचे राज्य में जैन समाज तथा सेवाभावी कार्यों के लिए अभिनंदन पेंढारी को गिना जाता है. समाज के वरिष्ठ तथा मार्गदर्शक के रूप में वे सभी क्षेत्रों में सक्रियता के साथ सेवारत रहते हैं. जीवन में पत्नी तथा आदर्श बच्चे भी पिता के कदम से कदम मिलाकर चलते हुए पेंढारी परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं.समाजसेवी के साथ ही परिवार तथा रिश्तों के मामले में संवेदनशील व्यक्ति हैं. जीवन में माता-पिता को सदा सम्मान देने और उन्हें कभी नहीं दुखाने की बात वे कहते हैं. साथ ही सनातन धर्म तथा संस्कारों को महत्व देते हैं. जन्मदिन 17 मार्च को पर सुबह से लेकर रात तक जिस तरह से लोगों द्वारा उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, वह आत्मीयता और प्रेम आज के दौर में सभी के नसीब में नहीं रहती है.वे भी विनम्रता पूर्वक जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों के प्रति कृतज्ञता जताते हैं. उनके मुताबिक लोगों का यही प्रेम उन्हें सदा सेवा करने के लिए प्रेरित करता है.सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहते हैं. अभिनंदन पेंढारी मित्र परिवार से सैकड़ों जुड़े हैं. उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

गुरूवार से 19 से 25 मार्च 2026 तक का भविष्य

मेष-राशि के जातकों के लिए यह हफ्ता इमोशनल गहराई से शुरू हो रहा है. आपके राशि स्वामी मंगलदेव अभी कुंभ में हैं, लेकिन शुक्र का 2 मार्च को मीन राशि में उच्च होना आपके 12वें घर को प्रभावित करेगा. इससे आपके रिश्तों में दया और संवाद में नरमी आएगी. चंद्रदेव सिंह राशि में रहेंगे, जो आपके कॉन्फिडेंस और क्रिएटिविटी को बूस्ट करेंगे. चंद्रदेव तुला राशि में आने से पार्टनरशिप और इमोशनल बैलेंस पर फोकस बढ़ेगा.

वृषभ-राशि के लिए हफ्ता खुशनुमा रहेगा क्योंकि 2 मार्च को शुक्र आपके ग्यारहवें घर यानी मीन राशि में उच्च के हो रहे हैं. वह दोस्ती, उम्मीदों और इमोशनल सपोर्ट को मजबूत करेंगे. चंद्रदेव सिंह राशि में होने से फैमिली मैटर्स और कम्फर्ट को हाईलाइट करेंगे.आपकी क्रिएटिविटी और रोमांस को सपोर्ट करेंगे. मिथुन में बृहस्पति रेट्रोग्रेड होने के कारण अपने फाइनेंस को ध्यान से रिव्यू कर सकेंगे वैसे इस हफ्ते आप चतुर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे.

कर्क-मिथन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरुआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ युति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है. जो जातक तकनीकी कार्य से जुड़े हुए हैं उनको अपनी तकनीकी क्षमता का लाभ मिलेगा.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से युति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-मार्च महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है. इस हफ्ते राशि से दसवें भाव में मंगल का गोचर होना आपके करियर और कारोबार के लिए शुभ रहने वाला है. आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौंकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा. सप्ताह के आरंभ में थोड़ी अधिक व्यस्तता रहेगी लेकिन सप्ताह मध्य का समय आपके लिए रिलैक्स करने वाला वाला रहेगा.

मीन-मीन राशि के लिए यह हफ्ता बहुत ही पावरफुल और शुभ है. 2 मार्च को शुक्र आपकी ही राशि यानी फर्स्ट हाउस में उच्च के हो रहे हैं, जो आपके चार्म, क्रिएटिविटी और इमोशनल वार्मथ को बढ़ाएंगे. चंद्रदेव कन्या राशि में आने से पार्टनरशिप और रिश्ते हाइलाइट होंगे. 6 मार्च की रात से चंद्रदेव तुला राशि में जाने से इमोशनल हीलिंग में मदद मिलेगी.

ओम नमो भगवते वासुदेवाय

सिंधु नगर स्थित पूज्य शिवधारा आश्रम में सतगुरु स्वामी शिवभजन जी महाराज का महानिर्वाण महोत्सव बुधवार, 18 से शुक्रवार, 20 मार्च तक श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाया जा रहा है. इसकी शुरुवात बुधवार से हो गई है.

संत समागम और भजन संध्या से गूंज रहा है सिंधुनगर

शिवधारा आश्रम में महानिर्वाण महोत्सव आरंभ,20 मार्च तक होंगे कई कार्यक्रम

विदर्भ स्वाभिमान, 17 मार्च

अमरावती- भक्तिभाव, संयुक्त परिवार तथा गुरूजनों की सेवा के मामले में सदा अग्रणी रहने वाले सिंधी समाज की सराहना की जानी चाहिए. स्थानीय सिंधु नगर स्थित पूज्य शिवधारा आश्रम में सतगुरु स्वामी शिवभजन जी महाराज का महानिर्वाण महोत्सव बुधवार, 18 से शुक्रवार, 20 मार्च तक श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाया जा रहा है. इसकी शुरुवात बुधवार से हो गई है. भक्तों से सभी कार्यक्रमों का लाभ लेने का आग्रह शिवधारा प्रमुख डॉ.संतोष नवलानी तथा साथियों ने किया है. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महोत्सव की शुरुआत श्री शिव महापुराण, श्री रामायण, श्रीमद्भागवत महापुराण, श्री गुरु ग्रंथ साहिब तथा श्री शिवधारा अमृत ग्रंथ साहिब के पाठ पारायण से होगी. क़ार्यक्रम के तहत धार्मिक सेवा के साथ ही मानवता सेवा के भी कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. इसका भी जरूरतमंदों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

महोत्सव के दौरान प्रतिदिन संध्याकालीन शिवधारा सर्वदेव आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संत दर्शन एवं आशीर्वचन आयोजित किए जाएंगे. विभिन्न भजन मंडलियों द्वारा भजन संध्या और महाआरती का आयोजन किया जाएगा, वहीं श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाकर गरीब तथा जरूरतमंद मरीजों को लाभ दिया जा रहा है. कार्यक्रम की कड़ी में 20 मार्च को प्रतिमाह की परंपरा के अनुसार जरूरतमंद लोगों में अनाज, किराना, सब्जियां और दवाइयों का वितरण किया जाएगा. इसके साथ ही शिवधारा नेत्रालय में निशुल्क मोतियाबिंदु ऑपरेशन भी किए जाएंगे.

देशभर से आएंगे संत,दर्शन का मिलेगा भाग्य

महोत्सव में देश के विभिन्न स्थानों से संत-महात्माओं की उपस्थिति रहेगी, जिनमें नर्मदापुरम से पूज्य साईं वल्लभ राम जी, अहमदाबाद से पूज्य साईं जगदीश लाल जी, डबरा से पूज्य साईं शिवकुमार, कोल्हापुर से पूज्य दादी पुष्पा देवी, अमरावती से पूज्य साईं जशन लाल साहिब व साईं राजेश लाल कंवर सहित अन्य संत शामिल होंगे. भजन संध्या में उल्हासनगर के निखिल भगत, निंबेहड़ा के शिवम भगत और अमरावती के लक्की भगत अपनी प्रस्तुतियां देंगे. डॉ. संतोषदेव महाराज ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने और संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने का मौका शहरवासियों को मिलेगा. लाभ लेने का आग्रह किया है.

जेपीएस होंडा की मराठी नववर्ष पर ग्राहकों को शानदार सौगात

दोपहिया गाड़ियों पर दे रहे हैं भारी छूट,उमड़े ग्राहक

विदर्भ स्वाभिमान, 18 मार्च

अमरावती- हिंदू नववर्ष गुड़ीपाड़वा के अवसर पर शहर के अमरावती रेलवे स्टेशन के सामने स्थित जेपीएस होंडा द्वारा दोपहिया वाहनों पर विशेष छूट योजना शुरू की गई है. आकर्षक लाभ के कारण शोरूम में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है. व्यवसाय के साथ ही जेपीएस हों डा परिवार द्वारा सामाजिक कामों में भी सदा योगदान दिया जाता है. गुडी पाड़वा की खुशियों को दुगुना करने के लिए यहां पर ग्राहकों को जहां गाड़ी पर भारी छूट दी जा रही है, वहीं जेपीएस होंडा के संचालक गट्टानी बंधुओं के साथ ही यहां के सेवाभाव रखने वाले कर्मचारियों की तत्पर सेवा के कारण ग्राहकों के दिलों में जगह बनाने में सफल हुआ है.

योजना के तहत लोकप्रिय स्कूटर होंडा एक्टिवा पर 15 हजार रुपए तक की छूट दी जा रही है. वहीं किफायती मोटरसाइकिल होंडा शाइन 100 मात्र 1 रुपए अग्रिम राशि देकर उपलब्ध कराई जा रही है.

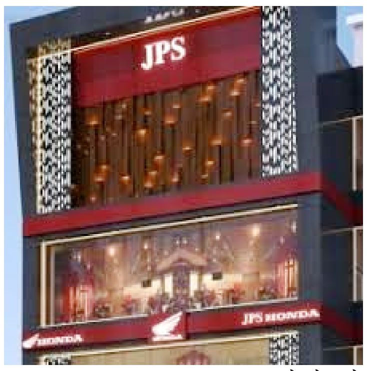

न्यूनतम आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर वित्तीय सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे ग्राहकों को वाहन खरीदने में आसानी हो सके. इससे पहले दीपावली पर भी इसी तरह की योजना को ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिला था. ग़ाड़ी की विक्री के साथ ही बेहतरीन सर्विसिंग सेवा के कारण विदर्भ में यह शोरूम सुख्यात है और ग्राहकों का प्रतिसाद मिलता है. गुड़ीपाड़वा नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है. इसी को ध्यान में रखते हुए शोरूम की ओर से ग्राहकों से इस विशेष योजना का लाभ उठाने तथा अधिक जानकारी और वाहन चलाकर देखने के लिए शोरूम आने की अपील गट्टाणी परिवार ने की है.

आश्वासन समिति प्रमुख के रूप में विधायक रवि राणा ने रचा इतिहास

विदर्भ स्वाभिमान, 18 मार्च

अमरावती- लोकप्रियता के साथ ही कर्मठता में भी सदा अग्रणी रहने वाले युवा स्वाभिमान पार्टी के प्रमुख विधायक रवि राणा ने काम का भी नया रिकार्ड बनाया है. उन्होंने विधानसभा की आश्वासन समिति के अध्यक्ष के रूप में भी सबसे बेहतरीन काम करने का नया इतिहास दर्ज किया है. उनकी कार्यप्रणाली की सराहना स्वयं विधानसभाध्यक्ष ने भी की है. इससे अमरावती और बडनेरा का नाम राज्यस्तर पर चमका है.

विधानसभा की आश्वासन समिति के प्रमुख विधायक रवि राणा ने अपने कार्यकाल में रिकॉर्ड स्तर पर लंबित आश्वासनों का निपटारा करते हुए नई मिसाल कायम की है. समिति प्रमुख बनने के बाद से उन्होंने मंत्रियों द्वारा दिए गए 591 आश्वासनों की पूर्ति सुनिश्चित कर संबंधित रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.बताया गया कि समिति के माध्यम से विधायकों द्वारा उठाए गए मुद्दों को प्रभावी ढंग से

आगे बढ़ाते हुए शासन स्तर पर समाधान कराया गया, जिससे जनहित के कई मामलों को न्याय मिल सका. इस उल्लेखनीय कार्य के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने समिति प्रमुख रवि राणा का सार्वजनिक रूप से अभिनंदन किया. आश्वासन समिति की इस सक्रियता को विधानसभा की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

शुभेच्छुक- सुमतीताई ढोके परिवार,गोपाल नगर,अमरावती.

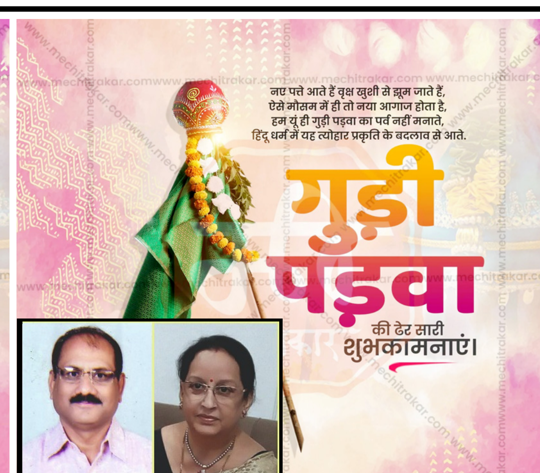

शुभेच्छुक- हेमंतकुमार पटेरिया परिवार,अमरावती.

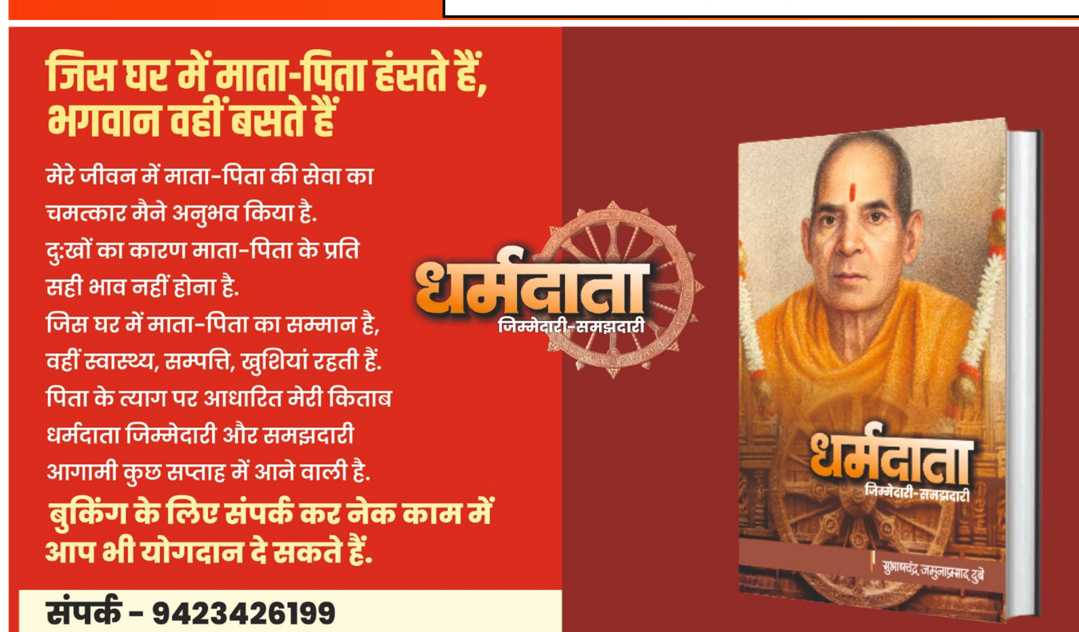

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

लाखों भक्तों का आस्थास्थल है श्री विठोबा संस्थान

गुड़ीपाड़वा से श्रीराम नवमी तक राज्यभर से आते हैं भक्त, बेहतरीन व्यवस्था की होती है सराहना

विदर्भ स्वाभिमान, 18 मार्च

चांदूर रेलवे- विदर्भ में लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र अमरावती जिले के चांदूर रेलवे तहसील स्थित श्री क्षेत्र सावंगा (विठोबा) में श्री विठोबा संस्थान उर्फ श्रीकृष्ण अवधूत बुवा संस्थान की ओर से भव्य गुढीपाड़वा रामनवमी यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया है. यह धार्मिक महोत्सव 18 मार्च से 27 मार्च 2026 तक श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों भाविकों की उपस्थिति की संभावना जताई जा रही है. चांदूर रेलवे तहसील में यह पर्व सभी के लिए लाखों भक्त पहुंचते हैं.एसटी महामंडल द्वारा भक्तों की सेवा में कई एसटी बसें की जाती है. यहां पर पहुंचाने वाले मार्ग की हालत खस्ता है, इसे सुधारने की मांग की जा रही है.

यात्रा का मुख्य आकर्षण 19 मार्च (गुढीपाड़वा) को दोपहर लगभग 4 बजे होने वाला महाराज के 72 फीट ऊंचे झंडों को नया चोला (कपड़ा) चढ़ाने का रोमांचक समारोह होगा. अखंड कपूर ज्योति, ताल-ढोलकी और मृदंग की गूंज, अवधूत भजन मंडलों के सुमधुर गायन तथा भक्तिभाव से ओतप्रोत वातावरण में यह अनूठा आयोजन संपन्न होगा. इस दौरान सैकड़ों क्विंटल कपूर की बिक्री का अनुमान है और पूरा परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठेगा. संस्थान के विश्वस्त चरणदास नामदेवराव कांडलकर के शुभहस्ते महाराज का विधिवत पूजन कर दोनों झंडों पर नया चोला चढ़ाया जाएगा. झंडों को भूमि का स्पर्श न हो, इसके लिए रस्सियों की सहायता से पुराना चोला उतारकर नया चोला चढ़ाने की परंपरा निभाई जाएगी. यह समारोह विश्वस्त मंडल और हजारों-लाखों श्रद्धालुओं की साक्षी में संपन्न होगा.

विविध धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला-महोत्सव की शुरुआत 18 मार्च को अमावस्या के अवसर पर शाम 5 बजे चंदन-उटी और रमणा कार्यक्रम से होगी. इसी दिन सुबह मंदिर और ग्राम परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा.

20 से 27 मार्च तक प्रतिदिन अवधूत नामप्रचारक महाराज की गाथा पर आधारित प्रवचनों का आयोजन किया गया है. 26 मार्च को रामनवमी के उपलक्ष्य में चंदन-उटी व रमणा कार्यक्रम होंगे, जबकि 27 मार्च को चैत्र मांडी बढ़वा, रमणा पालखी, ढाल सोहला, सत्कार समारोह और श्रद्धालुओं के लिए भव्य महाप्रसाद का आयोजन रहेगा.

श्रद्धालुओं के लिए व्यापक सुविधाएं

यात्रा के दौरान संस्थान की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पेयजल आपूर्ति, अन्नदान, विश्राम मंडप और बैठक व्यवस्था की विशेष तैयारियां की गई हैं. तेज गर्मी को देखते हुए दर्शन मंडप पर ग्रीन नेट लगाकर छाया की व्यवस्था की गई है. भीड़ नियंत्रण के लिए स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया गया है, वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहेगा.

मंदिर में सालभर विभिन्न कार्यक्रम चलते रहते हैं. संस्थान के अध्यक्ष के साथ ही सभी पदाधिकारी भी पूरी तरह से श्रीकृष्ण के समर्पित भक्त रहने के कारण कार्यक्रम के दौरान लाखों लोगों की भीड़ रहने के बाद भी आज तक किसी तरह की दिक्कत नहीं आयी. गुड़ी पाड़वा से श्रीराम नवमी तक यहां 14 लाख से अधिक भक्त पहुंचकर दर्शन तथा पूजा-अर्चना का लाभ लिया जाता है. भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर
9881388450

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048